Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding arms smuggling from Pakistan in Punjab and foodgrains procurement from farmers.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। मुझे खुशी है कि आप भी किसान हैं, इसलिए मेरी हिम्मत हुई है कि मैं आपसे इस बारे में कहूं। अब आप ही एक जरिया रह गए हैं, जो सबको बुलाकर इस बात को हल कर सकते हैं। सभी पार्टियों को और उनकी लीडरशिप को बुलाकर आपको यह पहल करनी पड़ेगी।

महोदय, आपको पता है कि पंजाब के किसानों ने देश की सेवा में कभी कोई कमी नहीं छोड़ी है। जब भी देश को पंजाब की जरूरत पड़ी है, चाहे ब्रेड-बास्केट की बात हो, पंजाब खड़ा रहा है। हम स्वोर्ड-आर्म्स की बात करें, तो इसका मतलब यह है कि जब कभी भी बॉर्डर पर जान की कुर्बानी देने की बात आई है, हम खड़े रहे हैं। अब क्या हो रहा है? खासतौर से यहां फाइनैंस मिनिस्टर बैठी हैं, हमारा आरडीएफ, तकरीबन पिछले 7 महीनों से 900 करोड़ रुपये का पड़ा हुआ है। इसके बाद श्री पीयूष गोयल जी से कहना चाहूंगा कि 1 लाख टन जो कि करीब 300 करोड़ रुपये का है। जब धान लगता है, तब उसका राईस बनता है, 1 लाख टन जिसकी कीमत करीब 300 करोड़ रुपये है। हमारा 62 लाख टन धान रोक दिया गया है, जिससे चावल बनना है। आप नुकसान देखिए। 1 अप्रैल से सीजन शुरू हो जाएगा और खरीद के लिए स्पेशिफिकेशंस बदल दी गई हैं। मैं जूट बैग्स के बारे में बताना चाहूंगा, जिसमें गोदामों में माल भरा जाना है, वे हमें नहीं दिए जा रहे हैं।

महोदय, हमसे क्या गलती हुई है, ये हमें बता दीजिए, हम मान लेते हैं। पंजाब एक बॉर्डर स्टेट है। जिस दिन से यह एजिटेशन शुरू हुआ है, पहले पाकिस्तान से एक दिन में 2 या 3 ड्रोन्स अस्लाह लेकर आते थे, लेकिन अब रोज 30 से 40 ड्रोन्स रोज आ रहे हैं। उनके साथ 30 से 40 किलो आरडीएक्स और स्मैक जैसी चीजें वहां से 40 बार लेकर आ रहे हैं। हम लोग मिलकर पंजाब को

कहां से कहां ले आए हैं? अगर पंजाब में दोबारा आग लग गई, तो फिर यह सरकार की जिम्मेदारी होगी। ये पंजाब को बचा लें।...(व्यवधान) 25 लाख लोग बैठे हुए हैं। स्पीकर साहब, आप पहल कीजिए।...(व्यवधान) मेरी आपसे रिक्वेस्ट है।...(व्यवधान) सिर्फ पंजाब नहीं, बल्कि इसके साथ देश बर्बाद होगा।...(व्यवधान)